Roll No. .....

बी. ए.-10 (कला में स्नातक) संस्कृत
द्वितीय वर्ष, सत्र-2014 (बैक पेपर)
एस. ए. - 04
गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध
समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खंडों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खंड-क
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खंड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×15=30

1. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

अथ समापित सन्ध्या वन्दनादि क्रिये, समायाते गुरौ तदाज्ञया नित्यनियम-सम्पादनाय प्रयाते गौरबटौ छात्रगण-सहकारेण प्रस्तुतासु च स्वागत सामग्रीषु- 'इत आगम्यताम् सनाथ्यतामेष आश्रम:' इति सप्रणाममभिगम्य वदत्सु निखिलेषु योगिराज आगत्य तन्निर्दिष्ट काष्ठपीठं भास्वानिवोदयगिरिमारुरोह उपाविशच्च ।

अथवा

आलोकयतु तावत् कल्याणाभिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम् । इयं हि सुभटखड्ग मण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मी क्षीरसागरात् पारिजातपल्लवेभ्योरागम्, इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चः श्रवसश्चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिम्, मदिराया मदम्, कौस्तुभमणेर्नैष्ठुर्यम् इत्येतानि सहवासपरिचयवशाद् विरहविनोद चिन्हानि गृहीत्वोद्गता न हि एवम् विधम् अपरिचितम् इह जगति किञ्चिद् अस्ति यथा इयम् अनार्या ।

2. शिवराजविजय के प्रथम नि:श्वास के अनुसार तत्कालीन भारतवर्ष की दशा पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

बाणभट्ट की गद्य शैली की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

3. शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी के स्वरूप एवं दोषों का निरूपण कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए –

(क) भारतीय-संस्कृति:

(ख) सत्संगति:

(ग) गीताया: महत्त्वम्

(घ) विद्याया: महत्त्वम्

खंड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खंड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×5=20

1. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

2. शिवराजविजय के प्रथम नि:श्वास के अनुसार ब्रह्मचारीगुरु अथवा योगिराज का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. रत्नावली के लेखक हर्ष का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

4. शुकनासोपदेश का सारांश लिखिए ।

5. शुकनासोपदेश के अनुसार राजा पर लक्ष्मी के दुष्प्रभाव का चित्रण कीजिए।

6. कर्मधारय समास की लक्षण एवं उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

7. ''यौवनारम्भे च प्राय: शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धि:''- सूक्ति की व्याख्या कीजिए ।

8. द्विगु समास की लक्षण एवं उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए ।

खंड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खंड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है। इस खंड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

10×1=10

सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए :

1. शिवराज विजय संस्कृत वाङ्मय की किस प्रथम गद्य विधा के अन्तर्गत है -

   (क) कथा (ख) उपन्यास

   (ग) नाटक (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. शिवराजविजय में किस रस की प्रधानता है -

   (क) करुण (ख) वात्सल्य

   (ग) वीर (घ) श्रृङ्गार

3. शिवराजविजय में दीर्घकालीन समाधि से उठकर पर्वत से उतरने वाले व्यक्ति कौन हैं -

   (क) गौरबटु (ख) श्यामबटु

   (ग) ब्रह्मचारी गुरू (घ) योगिराज

4. शिवराजविजय में किस काल की स्थिति का चित्रण है -

   (क) मुगल कालीन (ख) ब्रिटिश कालीन

   (ग) वैदिक कालीन (घ) इनमें से कोई नहीं

5. शुकनासोपदेश में चन्द्रापीड़ को किसने उपदेश दिया है -

   (क) राजा तारापीड़ ने (ख) शुकनास मन्त्री ने

   (ग) पुण्डरीक ने (घ) इनमें से किसी ने नहीं

6. शुकनासोपदेश में किसके दुष्प्रभाव का वर्णन है -

   (क) सरस्वती (ख) दुर्गा

   (ग) लक्ष्मी (घ) पार्वती

7. शुकनासोपदेश के अनुसार चन्द्रापीड़ के पिता हैं -

(क) शुकनास (ख) तारापीड़

(ग) बाणभट्ट (घ) इनमें से कोई नहीं

8. बाणभट्ट की शैली है -

(क) वैदर्भी (ख) गौड़ी

(ग) पाञ्चाली (घ) इनमें से कोई नहीं

9. त्रिभुवनम् में कौन सा समास है -

(क) अव्ययीभाव (ख) द्विगु

(ग) कर्मधारय (घ) बहुब्रीहि

10. सर्पनकुलम् में कौन सा समास है -

(क) तत्पुरुष (ख) द्विगु

(ग) द्वन्द्व (घ) इनमें से कोई नहीं